Fin 24
What is the concept of matching Accounts ?
अकाउंटस् में ''समान बनाना'' ये संकल्पना क्या है ?

कम्प्युटराईज्ड पद्धती में कोई भी एक ऐंट्री कि गयी तो उसके साथ तुरंत बराबरी की ऐंट्री करके ट्रायल बॅलन्स देखते है इसे ''समान बनाना'' या मॅचिंग कहते है । ये पद्धती इस्तेमाल करना एक चुनौती है क्योंकि आप अगर एक ऐंट्री बदलना चाहेंगे तो उसका परिणाम सब रेकॉर्डस् और अकाउंट बुक्स पर होगा ।
अकाउंटस् रखने की डबल ऐंट्री पद्धती को समझने से आपको नतिजे का विश्लेषण करना, अर्थ लगाना आसान होगा । डबल ऐंट्री पद्धती में आनेवाले पैसे का और जानेवाले पैसे का रेकॉर्ड रखा जाता है । इसमें आय (क्रेडिट) और खर्च (डेबिट) ऐसे हेडस् के अंदर हिसाब रखा जाता है ।
संस्था में ''व्यवस्थापक'' को अकाउंटस् या हिसाब नहीं रखना पडता लेकिन अगर आप कुछ मुद्दे जानते हो तो आपको संस्था की आर्थिक स्थिती समझने में और सही निर्णय लेने में मदद होगी ।